प्रसार में हिंदी, पर नौकरी देने में अंग्रेजी आगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में संसदीय राजभाषा समिति की बैठक में कहा था कि हिंदी को देश की राजभाषा बनाए जाने की आवश्यकता है। देश में हिंदी छोटी आबादी की मातृभाषा है और पेशेवर तबके के लिए अंग्रेजी तेजी से अपरिहार्य होती जा रही है। किस हद तक अंग्रेजी का इस्तेमाल कम किया जा सकता है? सुमंत सेन का विश्लेषण:

1 सेतु की भाषा

2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 27% आबादी की मातृभाषा हिंदी है, जो आमतौर पर उत्तर और मध्य भारत में रहते हैं। हिंदी, 19वीं सदी की शुरुआत में तेजी से उभरने की एक वजह से हिंदी क्षेत्र के राज्यों में उच्च प्रजनन दर यानी आबादी का बढ़ना रहा। देश की सबसे पुरानी भाषाओं, मसलन तमिल, तेलुगु, कन्नड़, और उड़िया का इस्तेमाल कम हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अन्य दूसरी भाषाओं को नुकसान पहुंचाए बिना हिंदी के लिए संवैधानिक प्रावधान किया गया है। पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया (पीएलएसआई) के संस्थापक गणेश देवी ने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति को हिंदी को बढ़ावा देने के बजाय अन्य भाषाओं में कमी होने पर ध्यान देना चाहिए।

2 कार्यस्थल पर आवश्यकता

अंग्रेजी कॉर्पोरेट भारत की भाषा के रूप में भी विकसित हुई है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और ग्लोबल एजुकेशन नेटवर्क क्यूएस के 2016 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि आधे से अधिक नियोक्ता नौकरी के लिए बेहतर अंग्रेजी का ज्ञान रखने वाले कर्मचारी चाहते थे। कई अध्ययनों में पाया गया है कि पढ़े-लिखे लोगों के लिए भी अंग्रेजी में महारत न होने की वजह से नौकरी तलाशना कठिन होता है। 2013 के आर्थिक विकास और सांस्कृतिक बदलाव शीर्षक से प्रकाशित पत्रिका में कहा गया कि धारा प्रवाह अंग्रेजी बोलने वालों को ज्यादा वेतन मिलता है। अधिकतर व्यापार व व्यावसायिक पाठ्यक्रम अंग्रेजी में ही होते हैं।

अंग्रेजी बोलने वाले भारतीयों को नौकरी में प्राथमिकता 2016 का नियोक्ता सर्वे

अंग्रेजी की सामान्य जानकारी रखने वाले	कर्मचारी (फीसदी में)
ई-मेल और लेटर लिखना	85
प्रस्तुति देने वाले	82
बैठकों में हिस्सा लेने वाले	82
रिपोर्ट पढ़ने वाले	82

3 प्रगति का रास्ता

दलित कार्यकर्ताओं का मानना है कि अंग्रेजी शिक्षा अनुसूचित जाति के लोगों के लिए न केवल नौकरी के दरवाजे खोलती है, बल्कि इससे जातिवाद से भी निजात मिल जाती है। लेखक और विद्वान चंद्रभान प्रसाद कहते हैं कि अंग्रेजी दलितों को प्रगति के रास्ते प्रदान करती है।

अंग्रेजी ने शिक्षा के क्षेत्र में वंचितों के लिए कुछ दरवाजे खोले

सात साल से अधिक उम्र के साक्षर लोग (फीसदी में)

4 पॉप संस्कृति में

साहित्य और लोकप्रिय संस्कृति में मातृभाषा के साथ हिंदी और अंग्रेजी भाषा को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। मातृभाषा की फिल्में अक्सर बॉक्स ऑफिस पर कमाई का रिकॉर्ड तोड़ देती हैं। मूल रूप से तेलुगु में बनाई गई फिल्म 'आरआरआर' दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपये से अधिक संग्रह करके सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। भारतीय अंग्रेजी लेखन को भी सरकारी मान्यता प्राप्त है। 1960 से साहित्य अकादमी द्वारा अलग-अलग भाषा की श्रेणी में पुरस्कार दिए जाते हैं। पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय अंग्रेजी लेखक अमिताभ घोष को दिया गया था।

साहित्य अकादमी पुरस्कार में अंग्रेजी वाले भी पीछे नहीं

1955 से 2021 तक साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाले

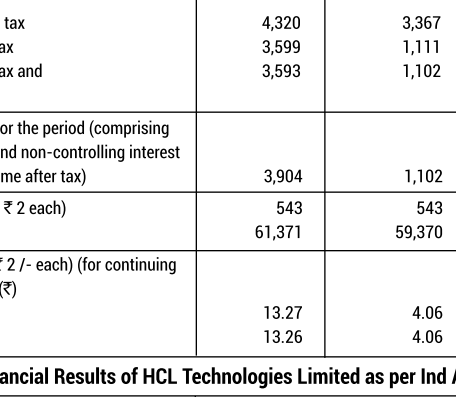

स्रोत: साहित्य अकादमी वेबसाइट

5 विलुप्त होती भाषाएं

पुरानी क्षेत्रीय भाषाओं के बोलने वालों की तादाद तीन दशकों से लगातार घटती जा रही है। भारत में करीब 250 भाषाएं 1961 और 2011 के बीच विलुप्त हो गई हैं और कुछ खत्म होने की कगार पर हैं। एक भाषा के खत्म होने के साथ उसकी सांस्कृतिक विरासत भी मिट जाती है। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर में हिंदी के प्रसार पर जोर दिया है और इसके लिए 22,000 शिक्षकों की भर्ती की है।

mint

जिग्नेश मेवानी असम पुलिस की रिमांड पर

कोकराझार/अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी को यहां की एक अदालत ने तीन दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया। इससे पहले निर्दलीय विधायक को एक कथित ट्वीट के कारण गिरफ्तार कर यहां लाया गया था।

कांग्रेस समर्थित निर्दलीय विधायक मेवानी को शाम को अहमदाबाद से गुवाहाटी होते हुए कोकराझार लाया गया और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया।

राहुल का केंद्र पर निशाना: जिग्नेश मेवानी की गिरफ्तारी को लेकर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। इसे सरकार की तानाशाही करार देते हुए कहा है कि जिग्नेश के साथ खड़ी है। बोले, सत्ता का दुरुपयोग कर राज्य मशीनरी से कुचलने की कोशिश कर सकते हैं, पर सच नहीं बांध सकते हैं।

कमांडरों के सम्मेलन में चीन-पाक सीमाओं पर हालात की समीक्षा

सेना हर सुरक्षा चुनौती के लिए तैयार रहे : राजनाथ

आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को थल सेना के शीर्ष कमांडरों से कहा कि वे भविष्य में भारत के सामने आने वाली हर संभव सुरक्षा चुनौती के लिए तैयार रहें। इनमें गैर-पारंपरिक युद्ध भी शामिल हैं। उन्होंने सोमवार को शुरू हुए थल सेना कमांडरों के सम्मेलन में यह टिप्पणी की।

रक्षा मंत्री ने किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सेना की परिचालन संबंधी तत्परता के लिए उसकी सराहना भी की। कमांडरों ने चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों की व्यापक समीक्षा की।

नई दिल्ली में गुरुवार को थल सेना कमांडरों के सम्मेलन में राजनाथ सिंह।

आज डिफेंसकनेक्ट 2.0 का उद्घाटन करेंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को 'डिफेंसकनेक्ट 2.0' का उद्घाटन करेंगे। यह रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप, बड़ी कंपनियों और सशस्त्र बलों के कर्मियों को एक मंच पर लाने का एक दिवसीय कार्यक्रम है।

अमेरिकी कंपनियां भारत में सैन्य उपकरण तैयार करें

संबोधन

- रक्षा मंत्री ने कहा, दोनों पक्ष लचीली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था चाहते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अमेरिकी कंपनियों को भारत में रक्षा उपकरणों के संयुक्त अनुसंधान और विकास के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही कहा कि यह जुड़ाव परंपरागत क्रेता-विक्रेता के रिश्तों से आगे बढ़ना चाहिए।

भारत में अमेरिकी वाणिज्य चैंबर में एक संबोधन में राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक हितों का सम्मेलन बढ़ रहा है और दोनों पक्ष एक लचीली और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था चाहते हैं, जो सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करे।

उन्होंने कहा कि हालिया भारत-अमेरिका टू प्लस टू संवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच सार्थक बातचीत ने दोनों पक्षों के बीच अधिक महत्वाकांक्षी और रणनीतिक जुड़ाव के लिए आधार तैयार किया है। सिंह ने कहा कि देर से ही सही कुछ अमेरिकी कंपनियों ने भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी में अपनी स्थानीय उपस्थिति का विस्तार किया है और वे भारत में, भारत और दुनिया के लिए उत्पादन कर रही हैं। यह सिर्फ एक शुरुआत है।

औद्योगिक सुरक्षा समझौते का पूर्ण उपयोग करके हमें रक्षा प्रौद्योगिकी के सहयोग और स्वदेशीकरण को सुगम बनाने तथा एक-दूसरे की रक्षा-आपूर्ति श्रृंखलाओं में अमेरिकी और भारतीय कंपनियों की सहभागिता को बढ़ावा देने की जरूरत है।

प्रशांत किशोर की पहली परीक्षा गुजरात में होगी

■ सुहेल हामिद

नई दिल्ली। कांग्रेस और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के बीच संगठन को मजबूत बनाने और रणनीति को लेकर चर्चा अंतिम दौर में है। पार्टी प्रशांत किशोर की चुनावी कार्ययोजना को लेकर गंभीर है।

यह तय है कि प्रशांत जल्द कांग्रेस का हाथ थाम सकते हैं, लेकिन पार्टी नेता के तौर पर रणनीति को अमलीजामा पहनाना आसान नहीं है, क्योंकि छह माह के भीतर ही गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव हैं। पार्टी के चुनाव रणनीतिकार के तौर पर प्रशांत किशोर की पहली परीक्षा गुजरात में होगी।

गुजरात में कांग्रेस पिछले 27 साल से सत्ता से बाहर है। तमाम कोशिशों के बावजूद पार्टी चुनाव में भाजपा को शिकस्त देने में विफल रही है। वर्ष 2017 के चुनाव में तीन युवा नेता हार्दिक पटेल, जिग्नेश मेवानी और अल्पेश ठाकोर के साथ मिलकर पार्टी ने अपना प्रदर्शन सुधारा था, पर सत्ता तक नहीं पहुंच पाई। इन वर्षों में पार्टी खुद को एकजुट रखने में विफल रही। करीब एक दर्जन विधायक कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। अल्पेश ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। हार्दिक पटेल भी पार्टी से बहुत खुश नहीं है। आम आदमी पार्टी भी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

लिहाजा चुनाव रणनीतिकार के तौर पर प्रशांत किशोर को कांग्रेस को सत्ता की दहलीज तक पहुंचाना आसान नहीं होगा।

सोनिया गांधी से आज मिल सकते हैं प्रशांत

कई दौर की मैराथन बैठकों के बाद कांग्रेस चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पार्टी में शामिल करने का मन बना चुकी है। पार्टी में शामिल होने के मुद्दे पर वह शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से चर्चा कर सकते हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वह बिना कोई शर्त कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं। पार्टी में उनको लेकर एक राय नहीं रही है।

पायलट ने कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव रणनीति को लेकर चर्चाओं के बीच राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की है। इस दौरान संगठनात्मक चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में जीत हासिल करनी है, तो हमें कुछ ऐसे काम करने होंगे, जो पार्टी को जीत की दहलीज तक पहुंचा सके।

प्रशांत किशोर ने कांग्रेस की रणनीति का खाका पेश किया

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। प्रशांत किशोर की संगठन को मजबूत बनाने और चुनावी रणनीति की कार्य योजना को लेकर गुरुवार को भी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक हुई। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह कब और किस पद पर पार्टी में जिम्मेदारी संभालेंगे, इस बारे में अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष करेंगी। पार्टी महासचिव तारिक अनवर के मुताबिक उन्होंने शामिल होने के लिए कोई शर्त नहीं रखी है।

प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के सामने जो कार्ययोजना रखी है, उसमें उन्होंने कांग्रेस की कमजोरी और ताकत दोनों का जिक्र किया है। पार्टी में आंतरिक संवाद की कमी बताते हुए उन्होंने कहा है कि 65 फीसदी जिला अध्यक्षों और 90 प्रतिशत ब्लॉक अध्यक्षों की पार्टी अध्यक्ष और प्रभारी सचिवों के साथ कोई बैठक नहीं हुई है। पार्टी में युवा नेतृत्व का भी आभाव है। उन्होंने कांग्रेस के फुल टाइम अध्यक्ष की जरूरत पर भी बल दिया है। प्रशांत ने हर विषय पर अलग-अलग स्लाइड के जरिये अपनी रणनीति को समझाया है। करीब दस स्लाइड में उन्होंने बताया है कि किन-किन राज्यों में पार्टी की सीट बढ़ सकती हैं। इसके साथ यह भी समझाया है कि किन राज्यों में पार्टी को फौरन मजबूत करने की जरूरत है।

छह करोड़ सदस्य: कांग्रेस के देश भर में छह करोड़ सदस्य बने हैं। पार्टी का सदस्यता अभियान 15 अप्रैल को खत्म हो गया। पार्टी अगले दो माह में प्राइमरी ब्लॉक और जिला स्तर पर चुनाव होगा। प्रदेश कांग्रेस के लिए जुलाई में होंगे। इसके बाद पार्टी अध्यक्ष के लिए चुनाव किए जाएंगे।

600 पेज का प्रेजेंटेशन दिया : प्रशांत किशोर ने करीब 600 स्लाइड्स का प्रेजेंटेशन तैयार किया है। बताया जा रहा है कि अभी तक किसी ने भी पूरा प्रेजेंटेशन नहीं देखा है। कांग्रेस को मजबूत करने के लिए राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पार्टी को टिप्स दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को कभी मरने नहीं दिया जा सकता।

बैठक के मुख्य बिंदु

1. कांग्रेस को नेतृत्व के मुद्दे को जल्द हल करना होगा
2. चुनावी गठबंधन को लेकर रुख में लचीलापन जरूरी
3. जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को तैयार करना होगा
4. पार्टी के कम्युनिकेशन सिस्टम में बदलाव जरूरी

सार्वजनिक सूचना

जबकि, अमेरिकन एक्सप्रेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के लाइसेंस सं. 14 का 2019 दिनांक 08/02/2019 मालिक के नाम पर मेसर्स जेनिसिस प्रॉपर्टी बिल्डर्स एंड डेवेलपर्स प्रा। लिमिटेड उक्त उक्त के लंबित रहने के दौरान आदेश संख्या–एलसी –1574–जेई (वीए)/2019/25047–57 दिनांक 07.10.2019, निदेशक, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ द्वारा दिए गए लाइसेंस के प्रावधानों के अनुसार।

और जबकि, अमेरिकन एक्सप्रेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उक्त वाणिज्यिक स्थल की संशोधित भवन योजनाओं के अनुमोदन का प्रस्ताव किया है,

और जबकि, निदेशक कार्यालय, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ ने पूर्व शर्त के रूप में भवन योजनाओं के संशोधन के लिए आपत्तियां मांगी हैं।

तद्नुसार, इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से, भवन योजनाओं में संशोधन के लिए उक्त वाणिज्यिक स्थल के मौजूदा आवंटियों, यदि कोई हो, से आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। पूर्व में स्वीकृत भवन योजनाओं और संशोधित भवन योजनाओं की एक प्रति, सैद्धांतिक अनुमोदन संख्या– **ZP—1332/AD(RA)/2022/8895, दिनांकित 01-04-2022** हमारी वेबसाइट **https://www.americanexpress.com/in/legal/notice-board.html.** पर अवलोकन के लिए उपलब्ध है। उक्त भवन योजना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के साथ–साथ वरिष्ठ नगर नियोजक, गुरुग्राम, सेक्टर–14, गुरुग्राम के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

कोई भी मौजूदा आबंटिती, यदि किसी को भवन योजना के पुनरीक्षण पर आपत्ति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर कार्यालय सीनियर टाउन प्लानर, गुरुग्राम, सेक्टर–14, गुरुग्राम में अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। यह मान लिया गया है कि उपरोक्त वाणिज्यिक स्थल की संशोधित भवन योजनाओं के लिए मौजूदा आबंटिती यदि कोई हो, को कोई आपत्ति नहीं है

कंवल कुमार
जगह –गुरूग्राम

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर–6, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उ.प्र.)
वेबसाइट: www.noidaauthorityonline.com

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवासीय भूखण्डों का आवंटन ई–निविदा के माध्यम से किये जाने हेतु आवासीय भूखण्ड योजना 2021(II), जिसका प्रकाशन दिनांक 14.10.2021 को किया गया था, तत्काल प्रभाव से उक्त योजना को वापस लिया जाता है।

विशेष कार्याधिकारी
(आवासीय भूखण्ड)

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

Delhi Jal Board

कार्यालय अति. मुख्य अभियंता एम-3, उप-अधीक्षण अभियंता (टी) एम-3
दिल्ली जल बोर्ड, रा.रा.क्षेत्र दिल्ली सरकार
एच-ब्लॉक, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली- 89
ई-मेल आईडी: eetenderingm3.djb@gmail.com

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

अल्प प्रेस नि.आ.सू. सं. 02 (2022-23)
प्रेस निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा राशि/ अनुमानित लागत	ईएमडी/ निविदा शुल्क	निविदा प्रापण हल के निर्गमन की तिथि/ आई.डी. नं.	ई-प्रापण हल द्वारा बोली प्राप्ति की अंतिम तिथि/ समय
1.	एईई(एम)I के अधीन एसी-01 में सैंक नं. 1 से सैंक नं. 7 आरडब्ल्यूटीडब्ल्यू पल्ला के बीच 150 मि.मी. डाया से 700 मि.मी. डाया एम/एस वाटर लाइन को प्रदान करके व बिछाकर विभिन्न नलकूपों के 100 मि.मी. डाया से 700 मि.मी. डाया एम.एस./सी.आई./डीआई कनेक्टिंग ओल्ड नेटवर्क को नए बिछाए गए 1500 मि.मी. डाया एम.एस. वाटर मेन में बदलना। (पुनः आमंत्रण)	रु. 1,96,19,330/-	रु. 3,92,400/- रु. 1000/-	21.04.2022 2022_DJB_220809_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक
2.	एसीई (एम)-3 के अधीन एसी-07 बवाना में सेक्टर 20 व 21 रोहिणी की डिवाइडिंग रोड में स्थापित सीवेज ट्रॉलीज के डिस्चार्ज को ढोहने हेतु 350 मि. मि. डाया एमएस लाइन को प्रदान करना व बिछाना। (पुनः आमंत्रण)	रु. 46,77,531/-	रु. 93,600/- रु. 500/-	21.04.2022 2022_DJB_220813_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक
3.	एसीई (एम)-3 में ईई(एम)-13 के तहत ए-1, एच-18, एफ-25, सेक्टर 7 व सी-8, सेक्टर 8, रोहिणी में अंडर ग्राउंड जलाशय/बूस्टर पम्पिंग स्टेशन का पुनःस्थापन। (पुनः आमंत्रण)	रु. 34,30,551/-	रु. 68,700/- रु. 500/-	21.04.2022 2022_DJB_220817_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक
4.	ईई (एनडब्ल्यू)II के अधीन (वर्तमान में एसीई(एम)-3 के अधीन) एसी-07 बवाना में राजीव नगर एक्सटेंशन, श्री एन्क्लेव पंसाली और कैलाश विहार पंसाली अनधिकृत कालोनियों में जलापूर्ति प्रदान करने हेतु पेरिफेरल पानी की लाइन को बिछाना। (पुनः आमंत्रण)	रु. 2,28,13,504/-	रु. 4,56,300/- रु. 1500/-	21.04.2022 2022_DJB_220821_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक
5.	ईई (एनडब्ल्यू)II के अधीन (वर्तमान में एसीई(एम)-3 के अधीन) एसी-07 बवाना में सेक्टर-29 यूजीआर से शाहबाद डेयरी तक 600 मि.मी डाया डीआई पानी की लाइन को प्रदान करना व बिछाना। (पुनः आमंत्रण)	रु. 2,39,56,978/-	रु. 4,79,200/- रु. 1500/-	21.04.2022 2022_DJB_220825_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक
6.	एसीई(एम)-3 के अधीन एसी-07 बवाना में कंझावला रोड पूठ कलां गांव पर बनिया की दुकान के सामने पाइप बर्स्टिंग विधि द्वारा 500 मि.मी. डाया पुरानी/स्थापित पेरिफेरल सीवर लाइन को बदलना।	मद दर	रु. 94,400/- रु. 500/-	21.04.2022 2022_DJB_220827_1	28.04.2022 को अप. 3.00 बजे तक

इस संदर्भ में आगामी विवरण https://govtprocurement.delhi.gov.in पर देख सकते हैं।

ज.स.अधि. (जल) द्वारा जारी
विज्ञा.सं. ज.स.वि. 50/2022-23

कोरोना रोकें : मास्क पहनें, दो गज की दूरी का पालन करें, हाथों को स्वच्छ रखें

ह0/-
उप-अधीक्षण अभियंता (टी) एम-3

HCL TECHNOLOGIES LIMITED

Corporate Identity Number : L74140DL1991PLC046369
Registered Office : 806, Siddharth, 96 Nehru Place, New Delhi, 110 019
Corporate Office : Plot No. 3A, Sector 126, Noida 201 304, U.P., India
Website: www.hcltech.com; Telephone: +91 11 26436336

Extract of Consolidated Financial Results of HCL Technologies Limited as per Ind AS: (₹ in crores)

Particulars	Three months ended (Audited)		Year ended (Audited)	
	31 March 2022	31 March 2021	31 March 2022	31 March 2021
Total income from operations	22,597	19,641	85,651	75,379
Net profit for the period before tax, exceptional and/or extraordinary items	4,320	3,367	16,951	15,853
Net profit for the period before tax	4,320	3,367	16,951	15,853
Net profit for the period after tax	3,599	1,111	13,523	11,169
Net profit for the period after tax and non-controlling interest	3,593	1,102	13,499	11,145
Total comprehensive income for the period (comprising profit for the period after tax and non-controlling interest and other comprehensive income after tax)	3,904	1,102	14,251	11,908
Equity share capital (par value ₹ 2 each)	543	543	543	543
Other equity	61,371	59,370	61,371	59,370
Earnings per equity share (of ₹ 2 /- each) (for continuing and discontinued operations) (₹)				
Basic (in ₹)	13.27	4.06	49.77	41.07
Diluted (in ₹)	13.26	4.06	49.77	41.07

Extract of Standalone Financial Results of HCL Technologies Limited as per Ind AS: (₹ in crores)

Particulars	Three months ended (Audited)		Year ended (Audited)	
	31 March 2022	31 March 2021	31 March 2022	31 March 2021
Total income from operations	10,634	9,249	40,638	35,673
Net profit for the period before tax, exceptional and/or extraordinary items	3,472	2,459	13,268	12,410
Net profit for the period before tax	3,472	2,459	13,268	12,410
Net profit for the period after tax	3,003	456	10,874	8,743
Total comprehensive income for the period (comprising profit for the period after tax and other comprehensive income after tax)	2,963	560	11,151	9,263
Equity share capital (par value ₹ 2 each)	543	543	543	543
Other equity	42,048	43,010	42,048	43,010
Earnings per equity share (of ₹ 2 /- each) (for continuing and discontinued operations) (₹)				
Basic (in ₹)	11.09	1.68	40.10	32.22
Diluted (in ₹)	11.09	1.68	40.09	32.22

Notes :

1. The consolidated and the standalone financial results for the three months and year ended 31 March 2022 were reviewed by the Audit Committee and have been approved and taken on record by the Board of Directors at its meeting held on 21 April 2022. The statutory auditors have issued unmodified audit report on these results.
2. The Board of Directors have declared an interim dividend of ₹ 18 /- per share at its meeting held on 21 April 2022 .
3. Financial results for all the periods presented have been prepared in accordance with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 (as amended from time to time) prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013 and other recognised accounting practices and policies to the extent applicable.
4. In November 2021, the Company instituted the Restricted Stock Unit Plan 2021 to provide equity-based incentives to all eligible employees of the Company and its subsidiaries. The Plan is administered by the Nomination and Remuneration Committee (NRC) of the Company through a controlled Trust. A maximum of 11,100,000 restricted stock units (RSU) may be granted under the Plan. Each RSU granted under the plan entitles the holder to one equity share of the Company at an exercise price, which is approved by the Nomination and Remuneration Committee.
On 20 December 2021, NRC has granted RSUs to the eligible employees of the Company and its subsidiaries under the Plan. Subsequent to this grant, the Trust acquired 6,320,000 shares from secondary market for the purpose of implementation of the Plan.
5. Employee benefit expenses for the three months and year ended 31 March 2021 for the Company and the Group includes one time special bonus of ₹ 243 crores and ₹ 728 crores respectively paid to employees in recognition of the Group achieving the $10 Billion revenue mark.
6. Current tax expense for the three months ended 31 March 2021 includes ₹ 419 crores being the tax impact of goodwill taken out of purview of tax depreciation w.e.f. 1 April 2020 by Finance Bill enacted in March 2021. Also deferred tax expense for the three months and year ended 31 March 2021 includes ₹ 914 crores and ₹ 1,222 crores respectively being the Deferred Tax Liabilities recognized by the Company on difference between book basis and tax basis of goodwill consequent upon enactment of above provisions.
7. The reduction in tax expense during the three months ended 31 March 2022 is primarily due to settlement of uncertain tax positions
8. The figures of the last quarter are the balancing figures between audited figures in respect of the full financial year up to 31 March 2022 and the unaudited published year-to-date figures up to 31 December 2021 being the date of the end of the third quarter of the financial year which were subjected to a limited review.
9. The above is an extract of the detailed format of quarterly/annual financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full formats of the quarterly/annual financial results are available on the websites of the Stock Exchanges, www.nseindia.com, www.bseindia.com, and on the Company's website, www.hcltech.com.
10. The disclosure in respect of standalone financial results as per SEBI circular SEBI/HO/DDHS/CIR/P/2018/144 dated 26 November 2018 with respect to identification of Large Corporate in the prescribed format of Annexure "A" and Annexure "B2" are as follows:

Annexure "A" Initial Disclosure to be made by entity identified as a Large corporate

Particulars	Details
Name of the Company	HCL Technologies Limited
CIN	L74140DL1991PLC046369
Outstanding borrowing as on 31 March 2022	₹ 226 Crores
Highest Credit Rating during the previous FY along with the name of the Credit Rating Agency	"AAA" ICRA Limited
Name of the Stock Exchange in which the fine shall be paid, in case of shortfall in the required borrowing under the framework	National Stock Exchange of India Limited

We confirm that we are a Large Corporate as per the applicability criteria given under SEBI circular SEBI/HO/DDHS/CIR/P/2018/144 dated 26 November 2018.

Annexure "B2" Annual Disclosure to be made by entity identified as a Large corporate

1. Name of the company : HCL Technologies Limited
2. CIN : L74140DL1991PLC046369
3. Report filed for FY : FY 2021-22
4. Details of current block (all figures in ₹ crores) :

S. No.	Particulars	Details
i	2-Year block period	FY 2021-22 , FY 2022-23
ii	Incremental borrowing * done in FY 2021-22 (a)	25
iii	Mandatory borrowing to be done through debt securities in FY 2021-22 (b) = (25% of a)	6
iv	Actual borrowings done through debt securities in FY 2021-22 (c)	-
v	Shortfall in the borrowing through debt securities, if any, for FY 2020-21 carried forward to FY 2021-22. (d)	-
vi	Quantum of (d), which has been met from (c) (e)	-
vii	Shortfall, if any, in the mandatory borrowing through debt securities for FY 2021-22 {after adjusting for any shortfall in borrowing for FY 2020-21 which was carried forward to FY 2021-22 (f)= (b)-[(c)-(e)]	6

5. Details of penalty to be paid, if any, in respect to previous block (all figures in ₹ crore):

S. No.	Particulars	Details
i	2-Year block period	FY 2021-22 , FY 2022-23
ii	Amount of fine to be paid for the block, if applicable Fine = 0.2% of {(d)-(e)}	-

*Incremental borrowing means any borrowing done during a particular financial year, of original maturity of more than 1 year, irrespective of whether such borrowing is for refinancing/repayment of existing debt or otherwise and shall exclude external commercial borrowings and intercorporate borrowings between a parent and subsidiary(ies).

By the order of the Board of Directors
for HCL Technologies Limited

Roshni Nadar Malhotra Chairperson
C. Vijayakumar Chief Executive Officer and Managing Director
Prateek Aggarwal Chief Financial Officer

Noida (UP), India
21 April 2022

HCL